वर्ष 2018

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सा० विज्ञान	3 0 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

क्रमांक

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

-	1	8	3	4	2	7	7	9	6

शब्दों में

-	एक	आठ	तीन	चार	दो	सात	सात	नौ	छः

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में [X] शब्दों में [X]

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक [14] (बड़ा हॉ०)

ग :– परीक्षा का दिनांक [13] [03] [2018]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

HSC EXAM.

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Gulab Bai	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
S.SHAIKH 35110050	K.S.Mandloi 581004235

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कु. में

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 1 का उत्तर

अ) iv) हीरा ।
ब) iii) नाना साहब ।
स) i) 395 ।
द) i) 100 दिवस का ।
) ii) कृषि उत्पादों के लिए ।

प्रश्न क्र. 2 का उत्तर

अ) यू.एन.डी.पी. ।
ब) विलय ।
स) 26 नवम्बर 1949 ।
द) प्रधानमंत्री ।
) सामाजिक ।

प्रश्न क्र. 3 का उत्तर

अ) सत्य ।
ब) सत्य ।
स) असत्य ।
द) सत्य ।
इ) सत्य ।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 4 का उत्तर

i) खेल गतिविधियों का प्रसारण - a) डी. डी. स्पोर्ट्स चैनल
ii) एकीकृत निर्देशित प्रक्षेपास्त्र योजना - c) ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
iii) ऊनी वस्त्र उद्योग - a) सन् 1876
iv) भारतीय रिजर्व बैंक - c) बैंकों की बैंक
v) मिश्रित अर्थव्यवस्था - b) व्यक्तियों तथा सरकार का

प्रश्न क्र. 5 का उत्तर

अ) स्वर्ण आभूषणों की गुणवत्ता को।
ब) तृतीयक क्षेत्र।
स) सन् 1969 में।
द) वे पदार्थ जिनके सेवन से मस्तिष्क शिथिल हो जाए और रक्त संचार तेज हो जाए तथा उत्तेजना से क्षणिक आनंद की प्राप्ति हो, मादक पदार्थ कहलाते हैं।
इ) बेरोजगारी का आशय एक ऐसी स्थिति से है, जिसमें व्यक्ति वर्तमान मजदूरी दर पर कार्य करने के लिये तैयार तो होता है, परन्तु उसे कार्य नहीं मिल पाता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

:- प्रश्न क्र. 6 का उत्तर :-

मृदा अपरदन :-

बहते हुए जल अथवा वायु के द्वारा मृदा के आवरण का हटना या स्थानांतरित होना, मृदा अपरदन कहलाता है। मृदा को सबसे बड़ी क्षति अपरदन के कारण होती है। वनस्पति विहीन नरम मृदा पर अपरदन की प्रक्रिया तीव्र होती है।

:- प्रश्न क्र. 7 का उत्तर :- (अथवा)

बैरकपुर छावनी में 29 मार्च 1857 ई० को मंगल पाण्डेय नामक एक सैनिक ने भारतीय भावनाओं से प्रेरित होकर चर्बी वाले कारतूस (गाय व सुअर की चर्बी) को मुँह से काटकर बन्दूक में भरने से इन्कार कर दिया और उत्तेजित होकर अंग्रेज अधिकारियों की हत्या कर दी। परिणामस्वरूप उसे बन्दी बनाकर 8 अप्रैल सन् 1857 ई० को फाँसी दे दी गयी। इस प्रकार चर्बी वाले कारतूस 1857 ई० की क्रान्ति का तात्कालिक कारण बना।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 8 का उत्तर :

राष्ट्रीय आय की गणना देश में एक वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) में उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्यों को जोड़कर ज्ञात की जाती है।

प्रश्न क्र. 9 का उत्तर : (अथवा)

द्वितीयक क्षेत्र :-

अर्थव्यवस्था का वह क्षेत्र जिसके अंतर्गत मानवीय क्रियाओं के द्वारा वस्तुओं को अनेक उपयोगी रूपों में परिवर्तन किया जाता है, द्वितीयक क्षेत्र कहलाता है। उदाहरण के लिए लोहे से मशीन बनाना एवं कपास से कपड़ा बनाना यह प्राथमिक गतिविधियों के बाद अगला कदम है। इसमें वस्तुएं सीधे प्रकृति से प्राप्त नहीं होती हैं, वरन् मानवीय क्रियाओं के द्वारा उन्हें निर्मित किया जाता है।

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFS

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. एक का उत्तर :

सामाजिक वानिकी योजना :-

विश्व बैंक से प्राप्त वित्तीय सहायता से वृक्षारोपण की यह योजना प्रारंभ की गयी है। इसमें चाक वानिकी, बाहरी वानिकी एवं विस्तार वानिकी के अंतर्गत नदियों, नहरों, सड़कों एवं रेल लाइनों के किनारे वृक्षारोपण किया जाता है।

"हर बच्चे के लिए एक पेड़" यह नारा स्कूलों तथा कॉलेजों में विकसित किया गया है। वन महोत्सव का प्रचार - प्रसार के अंतर्गत फार्म वृक्षारोपण, नदियों, नहरों एवं सड़कों के किनारे वृक्षारोपण कर जन भागीदारी को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक था। वन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करके हरे - भरे वृक्षों को काटने पर रोक लगायी गयी है। हिमालयी क्षेत्रों में वनों की कटाई एवं पशुओं की मुक्त चराई पर उचित रोकथाम की व्यवस्था की गई है।

प्रश्न क्र. प्रश्न क्र. 13 का उत्तर (अथवा)

i) तात्या टोपे :-

तात्या टोपे सन् 1857 के संग्राम के उन वीर सेनानियों में से एक थे। जिनकी प्रारंभिक निष्ठा पेशवा परिवार के प्रति थी। तात्या टोपे अपनी देशभक्ति, वीरता, शत्रु को चकमा देने की कुशलता, निर्भयता, व्यूह रचना, साधन हीनता की स्थिति में युद्ध जारी रखने का साहस एवं गुरिल्ला पद्धति से युद्ध के लिए जाने जाते थे।

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ ग्वालियर पर अधिकार करने में तात्या टोपे का बड़ा योगदान रहा। लक्ष्मीबाई की मृत्यु के पश्चात् तात्या टोपे ने निरंतर गुरिल्ला पद्धति के माध्यम अँग्रेजों को कड़ी टक्कर दी। अँग्रेजों ने इन्हें पकड़ने के लिए छल का सहारा लिया। अंतत: तात्या टोपे को आरौन (जिला गुना) के जंगल में विश्राम करते समय बन्दी बनाया गया। अँग्रेजों ने तात्या टोपे को 18 अप्रैल सन् 1859 ई० को शिवपुरी में फाँसी दी।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 14 का उत्तर

1857 के संग्राम की असफलता के कारण -

i) संगठन तथा एकता का अभाव :-

सन् 1857 के संग्राम में असफलता के पीछे संगठन तथा एकता का अभाव प्रमुख रूप से उत्तरदायी रहा। इस क्रान्ति की न तो कोई सुनियोजित योजना ही तैयार की गयी थी और न ही कोई ठोस कार्यक्रम था। इसीलिये यह युद्ध असंगठित व सीमित बनकर रह गया।

ii) नेतृत्व का अभाव :-

सन् 1857 की क्रान्ति की सशक्त रणनीति बनाने के पीछे योग्य नेतृत्व का अभाव प्रमुख रूप से उत्तरदायी रहा। इस क्रान्ति का किसी एक व्यक्ति ने नेतृत्व नहीं किया था। इसीलिये यह युद्ध अपने मूल उद्देश्य में सफल नहीं हो सका।

iii) बहादुरशाह ज़फर की अनभिज्ञता :-

क्रान्तिकारियों द्वारा बहादुर-शाह ज़फर को अपना नेता घोषित करने के बाद भी यह युद्ध बहादुरशाह ज़फर (द्वितीय) के लिये उतनी ही अनभिज्ञ थी, जितनी की अंग्रेजों के लिये थी।

प्रश्न क्र.

-) प्रश्न क्र. 25 का उत्तर -) (अथवा)

लोहा और इस्पात उद्योग आधारभूत उद्योगो में से महत्वपूर्ण उद्योग है। यह आधुनिक उद्योग जगत में भौतिक सभ्यता की रीढ़ है। इस गणना महत्वपूर्ण उद्योगों में की जाती है। किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिये उस देश मे लोहा व इस्पात उद्योग का विकास आवश्यक होता है। लोहा व इस्पात उद्योग किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार स्तम्भ होता है। मानव के दैनिक उपयोग की छोटी-से-छोटी वस्तुएँ सुई, कील, पिन, आलपिन, चाकू आदि से लेकर बड़ी से बड़ी वस्तुओं जैसे- कल-कारखानों की मशीने, रेलों की पटरियाँ, कृषि यन्त्र, अस्त्र-शस्त्र आदि अनेक वस्तुओं का निर्माण लोहा एवं इस्पात उद्योग मे होता है। इसीलिये लोहा व इस्पात उद्योग को 'आधारभूत उद्योग' कहा जाता है। भवनो का निर्माण तथा कारखानो का निर्माण जैसी अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति करने मे लोहा व इस्पात उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र 31 का उत्तर

सूखा -

निरंतर पड़ने वाला सूखा मानवीय चिन्ता का प्रमुख विषय रहा है। हमारे देश में बहुत कम ऐसे क्षेत्र हैं। जहाँ सूखे की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है। किसी क्षेत्र में होने वाली वर्षा में 25 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी होने पर उसे आमतौर पर सूखे की स्थिति कहा जाता है। गम्भीर सूखे की स्थिति ज्यादा देर से आती है। गम्भीर सूखे की स्थिति को हम तब कहते हैं। जब किसी क्षेत्र में होने वाली वर्षा में 50 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी हो या दो वर्षों तक लगातार सूखे की स्थिति बनी रहे।

बाढ़ :-

किसी बड़े भू-भाग में किन्हीं भी कारणों से हुआ जल भराव जिससे जन-धन की अपार क्षति होती है, बाढ़ कहलाता है। जलाशयों में पानी की वृद्धि होने, नदियों का अपने मार्गों को लाँघने, तेज वायु अथवा चक्रवात के कारण तटबन्धों के टूटने से विशाल क्षेत्रों में अस्थायी रूप से पानी भरने से बाढ़ आती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 18 का उत्तर:

सविनय अवज्ञा आन्दोलन :-

दिसम्बर 1929 के लाहौर कॉंग्रेस अधिवेशन में कॉंग्रेस कार्यसमिति को सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ करने की स्वीकृति दी गयी। वाइसराय लॉर्ड इरविन ने लाहौर अधिवेशन के पूर्ण स्वाधीनता के प्रस्ताव को मानने से इन्कार कर दिया, परन्तु गाँधीजी अभी भी समझौते की आशा रखते थे। उन्होंने वाइसराय लॉर्ड इरविन के समक्ष 11 माँगें प्रस्तुत की। गाँधीजी ने यह भी घोषित किया कि माँगें स्वीकार न होने की स्थिति में सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरम्भ किया जायेगा।

गाँधीजी चाहते थे कि सरकार विनिमय की दर घटाये, भू राजस्व कम करे, नमक पर कर समाप्त हो, बन्दूक रखने का लाइसेन्स दिया जाए, गुप्तचरों पर नियन्त्रण हो, क्रान्ति से दूर रहने वाले बन्दी छोड़े जाएँ, सेना के खर्चों में कमी हो, कपड़ों का आयात कम हो। वाइसराय लॉर्ड इरविन ने गाँधीजी की इन माँगों को मानने से इन्कार कर दिया। अतः महात्मा गाँधी ने योजनानुसार सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ कर दिया। इस प्रकार सविनय अवज्ञा आन्दोलन चलाये जाने का प्रमुख कारण लॉर्ड इरविन द्वारा महात्मा गाँधी की माँगों की उपेक्षा करना रहा।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 19 का उत्तर - (अथवा)

भारत और चीन युद्ध के निम्नलिखित निकटवर्ती व दूरगामी परिणाम सामने आए -

i) भारत और चीन सम्बन्ध तनावपूर्ण हो गये।

ii) भारत का एक बड़ा भू-भाग चीन के कब्जे में चला गया।

iii) भारत व अमेरिका के सम्बन्ध में सुधार हुआ।

iv) चीन व पाकिस्तान में नवीन सम्बन्ध स्थापित हुए।

v) भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि एवं गुटनिरपेक्षता की नीति आहत हुई।

(vi) भारत की विदेश नीति में आदर्शवाद के स्थान पर यथार्थवाद को स्थान मिला।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

:- प्रश्न क्र. 20 का उत्तर :- (अथवा)

:- समाजवादी एवं पंथ निरपेक्षता :-

समाजवादी राज्य से आशय :-

समाजवादी राज्य से आशय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था समाज के समतावादी ढाँचे पर आधारित होगी। प्रत्येक व्यक्ति की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति की जायेगी। भारतीय परिस्थिति के अनुसार समाजवाद को अपनाया जायेगा।

पंथ निरपेक्षता का आशय :-

भारतीय संविधान ने पंथ निरपेक्षता को अपनाया है। पंथ निरपेक्षता का आशय है कि राज्य सभी पंथों का समान रूप से सम्मान करेगा। किसी पंथ विशेष को राज्य के धर्म के रूप में नहीं मानेगा। सरकार द्वारा नागरिकों के मध्य जाति, पंथ, लिंग, वर्ग एवं धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जायेगा। भारत के प्रत्येक व्यक्ति को अपने विश्वास, धर्म एवं उपासना की स्वतंत्रता है। सभी व्यक्तियों को अपनी धार्मिक संस्थाओं को स्थापित करने तथा उनका विकास करने का अधिकार है।

B S E

मध्यप्रदेश

ARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAP

प्रश्न क्र.

-! प्रश्न क्र. 21 का उत्तर -!

आर्थिक प्रणाली को निम्न प्रकार से परिभाषित किया जाता है -

प्रो. ए. जे. ब्राउन के अनुसार - " आर्थिक प्रणाली एक माध्यम है। जिसके द्वारा लोग अपनी जीविका का उपार्जन करते हैं।"

प्रो. एम. गोयलिक के अनुसार - " आर्थिक प्रणाली मनुष्य के जटिल सम्बन्धों के उन तरीकों का अध्ययन है। जिसके द्वारा अनेक निजी व सार्वजनिक आवश्यकताओं की संतुष्टि हेतु आर्थिक साधनों का उपयोग किया जाता है।

आर्थिक प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

i) आर्थिक प्रणाली का प्रमुख उद्देश्य आर्थिक समस्याओं को हल करना है।

ii) अर्थव्यवस्था की मुख्य समस्याएँ हैं - क्या उत्पादन किया जाए, उत्पादन किसके लिये किया जाए और उत्पादन कैसे किया जाए।

iii) आर्थिक प्रणाली परिवर्तनशील होती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

iv) आर्थिक प्रणाली का सम्बन्ध संस्थाओं के समूह से है।

v) आर्थिक प्रणाली का सम्बन्ध एक देश या देशों के समूह से है।

vi) अर्थव्यवस्था में मानवीय आवश्यकता को संतुष्ट करने वाले साधन सीमित मात्रा में होते है।

→ प्रश्न क्र. 23 का उत्तर →

B S E

1942 के वर्ष में देश के राजनीतिक मंच पर एक ऐसा आन्दोलन आरम्भ हुआ जिसे भारत छोड़ो आन्दोलन के नाम से जाना जाता है। यह यथार्थत: जन आन्दोलन था। यह एक ऐसा अन्त: प्रेरित और स्वेच्छामूलक जन आन्दोलन जिसका जन्म राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए स्वप्रेरणा के फलस्वरूप हुआ था। अखिल भारतीय कॉंग्रेस कमेटी ने 8 अप्रैल सन् 1942 को भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रस्ताव पास किया।

भारत छोड़ो आन्दोलन के अवसर पर महात्मा गाँधी ने अपने उत्साहपूर्ण एवं जोशीले भाषण में जनता को 'करो या मरो' का ऐतिहासिक सन्देश दिया। इस सन्देश का अभिप्राय था भारतीयों को स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये अहिंसक ढंग से हर सम्भव प्रयास करना चाहिए।

आन्दोलन का प्रारम्भ :-

भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रस्ताव पारित होने के दूसरे दिन अँग्रेज सरकार ने महात्मा गाँधी को गिरफ्तार कर लिया। इससे भारत छोड़ो आन्दोलन की आग पूरे देश में फैल गयी।

प्रश्न क्र.

प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लेने के कारण आन्दोलन ने हिंसात्मक रूप ले लिया। जगह-जगह पर उग्र प्रदर्शन हुए। गाँवों तथा शहरों में विशाल जुलूस निकाले गये। स्थान-स्थान पर रेलवे स्टेशन, डाकघर तथा थानों में आग लगा दी गयी।

आन्दोलन का महत्व :-

भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास में 'भारत छोड़ो आन्दोलन' का अपना विशेष महत्व है। यह सत्य है कि जिस उद्देश्य से यह आन्दोलन चलाया गया था वह तुरंत प्राप्त नहीं हो सका, परंतु इसके व्यापक प्रभाव रहे। इस आन्दोलन से ही अमेरिका और चीन जैसे बड़े राष्ट्रों को भारत के जन-असन्तोष का ध्यान हुआ, तो उन्होंने ब्रिटेन पर दबाव डाला कि वह भारत को स्वतंत्र कर दें। ब्रिटेन को भी यह समझ में आ गया था कि वह भारत को ज्यादा दिनों तक पराधीन नहीं रख सकता है। दूसरे शब्दों में इस आन्दोलन ने भारत की स्वतंत्रता की पृष्ठभूमि तैयार कर दी थी।

प्रश्न क्र. 24 का उत्तर :- (अथवा)

1971 भारत-पाक युद्ध के परिणाम :-

i) बांग्लादेश का निर्माण हुआ।
ii) पाकिस्तान के क्षेत्रफल, जनसंख्या तथा शक्ति में कमी आयी।
iii) भारत को यह समझ में आ गया कि अमेरिका उसका हितैषी नहीं है। अतः उसने संयुक्त राष्ट्र संघ से मित्रता बढ़ायी।
iv) 1965 के बाद 1971 में पाकिस्तान की पुनः हार ने उसका मनोबल तोड़ दिया।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

v) इस युद्ध में पाकिस्तान तथा उसे सहानुभूति रखने वाले राष्ट्र चीन तथा अमेरिका के महत्वाकांक्षाओं की हार हुई।

vi) भारत-पाक युद्ध के समय अनेक राजनीतिक दलों ने अपने मतभेद भुला दिये तथा बांग्लादेश की मुक्ति का प्रश्न राष्ट्रीय प्रश्न बन गया।

:- प्रश्न क्र. 25 का उत्तर :-

B
S
E

सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियाँ :-

i) प्रारंभिक क्षेत्राधिकार - ऐसे विवाद जो देश के अन्य न्यायालय में नहीं जाते हैं। केवल सर्वोच्च न्यायालय में ही प्रस्तुत होते हैं।
i) राज्यों के मध्य विवाद।
ii) मौलिक अधिकारों से सम्बन्धित विवाद।

ii) अभिलेख न्यायालय - सर्वोच्च न्यायालय सबसे बड़ा अभिलेख न्यायालय है। इसके अभिलेख लिखित होते हैं, प्रस्तुत किए जाते हैं। तथा अभिलेख के रूप में रखे जाते हैं।

iii) परामर्शदात्री क्षेत्राधिकार :- संविधान की धारा 143 के अनुसार यदि राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय से किसी कानूनी महत्व के विषय पर परामर्श लेना चाहे, तो सर्वोच्च न्यायालय परामर्श दे सकता है।

iv) अपीलीय क्षेत्राधिकार - इस अधिकार के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय को निम्न अपीलें सुनने का अधिकार है -
i) फौजदारी अपीलें। ii) दीवानी अपीलें।
iii) संवैधानिक अपीलें। iv) विशेष अपीलें।

केन्द्र क्रमांक 341012

D – 125

Roll No. 183427796 प्रश्न क्र. 22 का उत्तर-

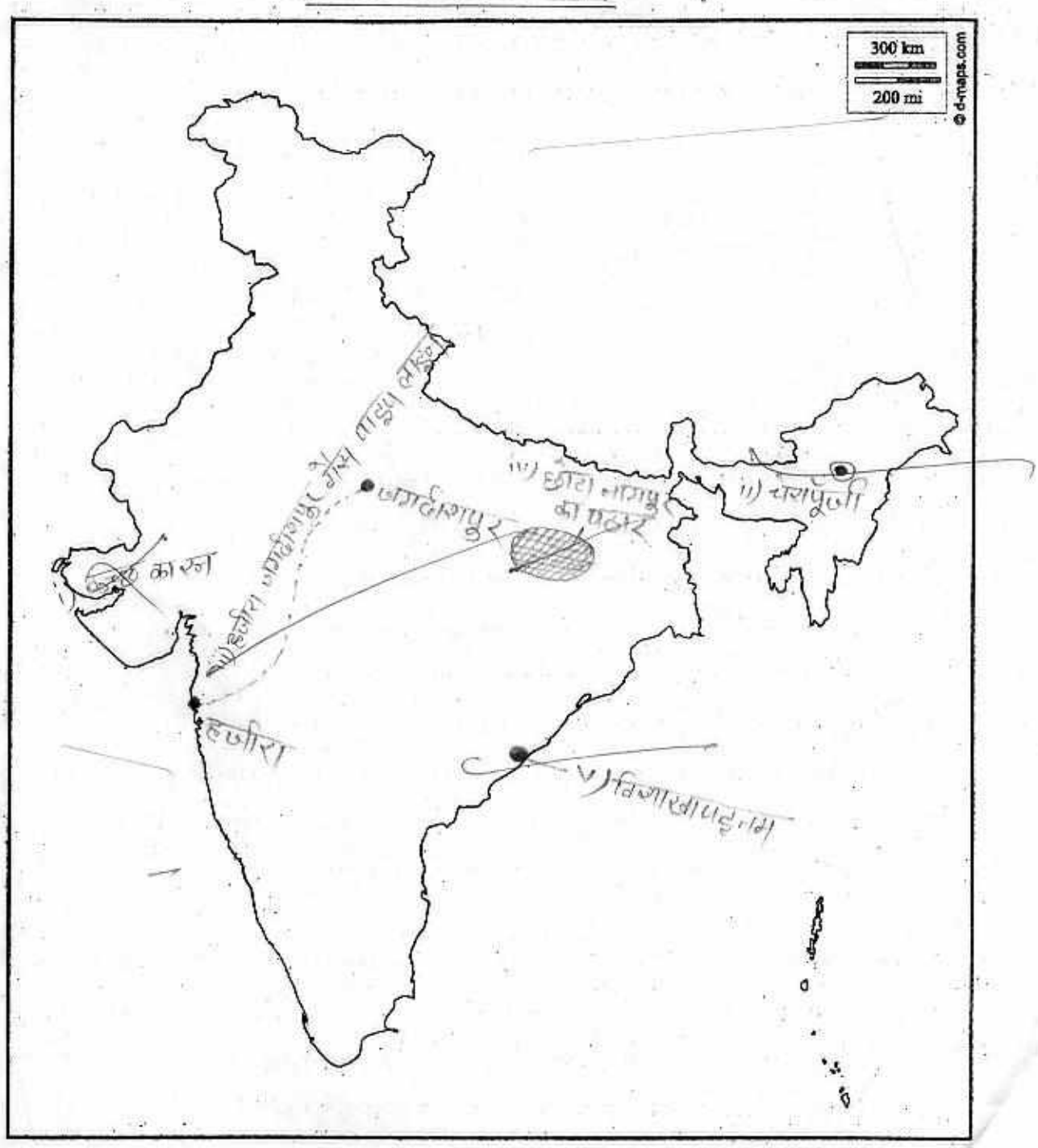

प्रश्न क्र. iv) न्यायिक पुनरावलोकन सम्बन्धी क्षेत्राधिकार - इस अधिकार के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय को संसद एवं विधानसभा द्वारा निर्मित कानूनों की वैधता जाँचने का अधिकार है। अपने इस अधिकार से सर्वोच्च न्यायालय संविधान की रक्षा करता है।

→ प्रश्न क्र. 26 का उत्तर :- (अथवा)

जनसंख्या विस्फोट :-

जब जनसंख्या वृद्धि दर इतनी अधिक हो जाती है कि देश में उपलब्ध संसाधन आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर पाते हैं, तो उसे जनसंख्या विस्फोट कहा जाता है। जनसंख्या विस्फोट हमारे आर्थिक विकास के सारे प्रयासों को विफल कर देती है।

हर देश में जब विकास होगा तो जन्मदर की तुलना में मृत्युदर तेजी से घटेगी। जिसका परिणाम जनसंख्या में वृद्धि होगा। आज पैदा होने वाले बच्चे जिन्हें अकाल शिशु मृत्यु से बचा लिया जायेगा। 21-22 वर्ष बाद स्वयं बच्चे पैदा करेंगे।

जनसंख्या विस्फोट का समाज पर पड़ने वाले प्रभाव

i) प्रतिव्यक्ति आय में गिरावट आती है।

ii) बचत व विनियोग बहुत कम हो जाता है।

iii) जनसंख्या का भूमि पर अधिक भार पड़ रहा है। कृषि योग्य भूमि आवश्यक मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कर पा रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यक मात्रा में पूर्ति नहीं हो पा रही है।

iv) माँग बढ़ रही है। वस्तुएँ सीमित मात्रा में उपलब्ध हो पा रही है, जिससे कीमतें बढ़ रही हैं।

प्रश्न क्र.

-: प्रश्न क्र. 26 का उत्तर :- (अधूरा)

संचार - संचार के अंतर्गत सूचनाओं का आदान-प्रदान या प्रसारण सम्मिलित है।

प्रमुख संचार के साधन निम्नलिखित है -

i) मोबाइल फोन - यह एक बेतार का तार जैसा फोन है, इसे सेल्युलर फोन या मोबाइल फोन कहते है। इसे हम जेब मे रखकर कहीं भी ले जा सकते है, वहीं से फोन कर सकते है।

ii) दूरदर्शन - भारत मे टेलीविजन सेवा का नियमित प्रसारण सन् 1965 ई० मे प्रारम्भ हुआ। सन् 1976 ई० मे इसे आकाशवाणी से पृथक कर दूरदर्शन नामक अलग संगठन बनाया गया। अब देश की लगभग 87% जनसंख्या 1042 ट्रान्समीटरों के माध्यम से दूरदर्शन के कार्यक्रमों को देख सकती है।

iii) इन्टरनेट - इन्टरनेट इन्टरनेशनल नेटवर्क का संक्षिप्त नाम है। इस सेवा से कोई भी व्यक्ति घर बैठे कम्प्यूटर के माध्यम से दूरस्थ विश्व भर मे घटित घटनाओं को देख सकता है तथा सम्पर्क कर सकता है।

iv) फैक्स - इसके लिये एक मशीन की आवश्यकता होती है, जिसे फैक्स मशीन कहते है। मशीन को टेलीफोन नम्बर से जोड़ देते है तथा सन्देश लगा देते है। मशीन सन्देश को कागज पर छाप देती है।

ार - अमेरिकी वैज्ञानिक थामस एल्वा एडिसन ने टेलीग्राफ का ाविष्कार किया। इससे सन्देश जल्दी भेजे जाने लगे। सके लिये खम्भों पर टेलीग्राफ के तार स्थायी रूप से ाना जरूरी है।